मनुष्य तू बड़ा महान है

धरती की शान, तू भारत की सन्तान, तेरी मुठ्ठियों में बन्द तूफ़ान है रे
मनुष्य तू बड़ा महान है, भूल मत, मनुष्य तू बड़ा महान है

तू जो चाहे पर्वत पहाड़ों को फोड़ दे, तू जो चाहे नदियों के मुख को भी मोड़ दे
तू जो चाहे माटी से अमृत निचोड़ दे, तू जो चाहे धरती को अम्बर से जोड़ दे
अमर तेरे प्राण –2 मिला तुझको वरदान, तेरी आत्मा में स्वयं भगवान हैं रे

नयनों से ज्वाल तेरी, गति में भूचाल, तेरी छाती में छुपा महाकाल है
पृथ्वी के लाल तेरा, हिमगिरी सा भाल, तेरी भृकुटी में तान्डव का ताल है
निज को तू जान –2 जरा शक्ति पहचान, तेरी वाणी में युग का आह्वान है रे

धरती सा धीर तू है अग्नि सा वीर, तू जो चाहे तो काल को भी थाम ले
पापोंका प्रलय रुके पशुता का शीश झुके, तू जो अगर हिम्मत से काम ले
गुरु सा मतिमान् –2 पवन सा तू गतिमान, तेरी नभ से भी उंची उड़ान है रे

[मनुष्य तू बड़ा महान है, भूल मत, मनुष्य तू बड़ा महान है]

MaruGujarat
Official education Blog